Bihar:

Structure and Relief / Physiography and Structure

- परिचय (Introduction) :—

धरातल की बनावट के दृष्टिकोण से बिहार में विभिन्नताएँ मिलती हैं। इसके एक ओर हिमालय की बाह्य श्रेणी या शिवालिक श्रेणी स्थित है, तो दूसरी ओर प्रायद्वीपीय पठार का भू-भाग। इन दोनों के बीच गंगा का मध्यवर्ती मैदान स्थित है जिसके बीचो-बीच गंगा नदी बहती है। इसे बिहार का मैदान भी कहा जाता है। इन तीनों धरातलीय रूपों में काफी असमानता पायी जाती है। मैदानी भाग लगभग समतल है, किन्तु इसमें भी स्थानीय विभिन्नता मिलती है। पर्वतीय भाग विभिन्न पहाड़ियों और घाटियों से भरा है, तो पठारी भाग में भी विभिन्नता पायी जाती है। उच्चावच के दृष्टिकोण से बिहार मुख्यतः एक मैदान है, किन्तु पर्वतीय भाग एवं पठारी भाग की क्रमशः इसके संकीर्ण उत्तरी-पश्चिमी और दक्षिणी भाग में विस्तृत हैं।

- धरातलीय रूप और उच्चावच

Date
Page

(Structure and Relief) :—

उच्चावच या धरातलीय रूप के आधार पर बिहार को तीन भागों में बाँटा जा सकता है —

1. शिवालिक पर्वतश्रेणी
2. बिहार का मैदान
3. दक्षिण का संकीर्ण पठार

1. शिवालिक पर्वतश्रेणी :— यह हिमालय पर्वत की शिवालिक श्रेणी का निचला भाग है, जो बिहार की उत्तरी-पश्चिमी भाग में पश्चिम चम्पारण जिला के उत्तरी भाग में स्थित है। यह एक छोटी-सी पर्वतीय पेटी है, जो केवल 932 वर्ग किमी. क्षेत्र में विस्तृत है। यह बिहार के मैदानी भाग से 160 मीटर की समोच्च रेखा से अलग होती है। इसकी ऊँचाई 250 से 850 मीटर के बीच है। यह क्षेत्र बहुत कम आबाद है, जहाँ मुख्यतः थारू जनजाति रहती है। इस छोटे से क्षेत्र में दो पर्वत-श्रेणियाँ पायी जाती है, जिनके बीच नदी की घाटी स्थित है। ये सभी नेपाल की सीमा के समानान्तर उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व की दिशा में स्थित है।

उच्चावच / धरातलीय रूप

- 1. शिवालिक पर्वतश्रेणी
  - रामनगर दून की पहाड़ी
  - हरहा घाटी या दून घाटी
  - सोमेश्वर श्रेणी
- 2. बिहार का मैदान
  - उत्तरी बिहार का मैदान
    - दक्षिणी बिहार का पश्चिमी मैदान
    - दक्षिणी बिहार का मध्यवर्ती मैदान
    - दक्षिणी बिहार का पूर्वी मैदान
  - दक्षिणी बिहार का मैदान
- 3. दक्षिण का संकीर्ण पठार
  - कैमूर का पठार
  - रोहतासगढ़ की पहाड़ी

Next Class: शिवालिक पर्वतश्रेणी के उप - विभाग

By: Dr. Md. Jamshed Alam